



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

516041



क्रम संख्या

संग्रहीत की जागति - ₹ ११,३०,०६५/-
साक्षर सूचि - ₹ २,०७,९५०/-
अन्य नियंत्रण जनसंख्या - ₹ १,१४,६६०/-

- | | | | |
|----|----------------------|---|------------------------|
| १. | कृषि व उत्पादन | - | कृषि |
| २. | पालाना | - | प्रिस्टीर |
| ३. | तन | - | वृक्षशाला एवं विनियोग |
| ४. | संस्थान एवं विद्यालय | - | कृषि धराना विकास विभाग |

कृषि विकास विभाग
उत्तर प्रदेश सरकार



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

511682

१.

०.८५६ लैफ्टिनेंट जन १.९८ वाह
समय विकल राज ०.१५१२ वे
विक जग गुप्तजा उप
विधायक, यात्रा विवर, लक्ष्मी
इ. निवास नगरका।

- | | | |
|----------------------|---|--|
| ५. वायन की इच्छा | - | उपर्याप्त |
| ६. सम्पत्ति का विवरण | - | ०.१५१२ लैफ्टिनेंट |
| ७. दाखल की विधि | - | दुष्प्राणीय गोपन व वापसप्राप्ति राज वा |

[Signature]

प्राप्ति विवरण व वापसप्राप्ति राज

प्राप्ति विवरण



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

515889

लालगढ़ २०० मील से अद्वितीय

8. गायज बाजार - कुमा - -
9. फौंटी वाले दिल्ली - दोहरे गांव है।
10. बीमारी खुशी लाल - कुमा पर गांव है।

वैदिकी नमस्करण ३०-२६५

लाल : लालगढ़ २००-२६५, २४८

पांडा : लालगढ़ २००-२६२

गुरु : लालगढ़ २००-२६५

कृष्णगढ़ -

State Property is Immaculate - It
is a matter of pride.
प्राकृतिक सुन्दरी



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

२५०००

प्राप्ति : अमरा गो-वा।

प्राप्ति एवं विवरण-

प्राप्ति एवं विवरण-

प्राप्ति एवं विवरण	प्राप्ति एवं विवरण
निर्धारित युव. संस्कृत : लोकार्थी इति शूरुस्त्वा तद बोगिष्ठा, गाला विष्वार् लक्ष्मी च विक्र उक्तान्।	यमता पानीत एव वाहान्तुम्भा, लिप किल्ट लक्ष्मी 115, वेस्ता भूम, 16, अस्तुष्य गाली गां, नद लिख्ने ११०००, वेस्ता या विष्वा ता विष्वापुर्विष्वा विष्वा, १३.

प्राप्ति एवं विवरण-

प्राप्ति एवं विवरण

प्राप्ति एवं विवरण



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH



	गोपनीय मन्त्री, संसद के छठे अधिकृत लक्ष्मण देव की अधिकृत प्रमाण प्रतीक्षा पुस्तक की अधीन प्रमाण दिल्ली काला चौपाटा का दस्तावेज़ एवं प्रधानमंत्री का दस्तावेज़ लिखित, उ. एवं प्राप्त नाम, लक्ष्मण
लक्ष्मण- देव	लक्ष्मण- लक्ष्मण

Area/Property of Government Of

लक्ष्मण- लक्ष्मण

लक्ष्मण- लक्ष्मण



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH



यह डिप्टी लिंगम संशोधन पुस्तक मिवासी - उत्तर प्रदेश राज्य विभाग, पटना किलोमीटर, राहमील ५ लिंग संशोधन के लिए आगे बढ़ाया जाता है एवं वैभव विषय पर एवं
कल्पनाकारी डिप्टी गोप्तार्ड अधिकारी ११५, वैभव नगर, १६, लम्हाला
गांव चौर, नई दिल्ली-११०००१, उत्तर प्रदेश भारत, अधिकारी वैभव
विषयक संशोधन लिंगम, १३, वैभव विषय भारत, उत्तर प्रदेश भारत
अधिकारी वैभव विषयक प्रसाद लिंगम पुस्तकी भौति प्रसाद.

पंचांग समाप्ति
१० अक्टूबर २०१८
उत्तर प्रदेश सरकार

पंचांग समाप्ति

भारतीय गैर न्यायिक | INDIA NON JUDICIAL

एक हजार रुपये
₹.1000

ONE THOUSAND RUPEES
Rs.1000

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH



दोषी व्यक्ति का स्वयं या उनकी पक्ष नामांकनीकरण दिलाएँ,
12, गण फला मार्ग, काशीपुर लिने वाले द्वारा यह यात्रा के दौरान
नियमित रिक्त नहीं।

प. नं. 44/प्रदेश विधायिका संख्या 200 रकम 0.2015 दिनांक
का 1/2 गण अवधि विधायिका राजा 0.1512 के द्वारा ग्राह कुरुक्षेत्र
नाम अन्वयक, पाला विधायिका, भारतीय व विद्या विधायिका व विधायिका
विधियों व संविधान के तहत उपरोक्त वास्तविक वाच वालीमें

प्राप्त विधायिका विधायिका विधायिका

विधायिका विधायिका

विधायिका विधायिका



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

0 163490



यह टाइप 1981/2 के इनामी लिखेत द्वारा नम संस्कार चुनिवर के
स्थान में दर्शा है। और विशेष तो उसका भूमि विलय का गूँह अधिकार
शास्त्र है। लिखेत के नाम का अपना बापाहा गवाह विविधता ही है।
यहाँ आगा मानुषी विलाल को यह लिख्या जिसका शाम
विकल यह रखा है विलाल ल्याएगा मानुषी भूमि के पालन, नियन्त्रण
कराना है लेकिन वहाँ समझ के अन्त मुमि भूमि भूमि है और अन्त
पर्याप्त गवाहा भूमि के विलाल नहीं है। उसका भूमि संस्कार व उसके की

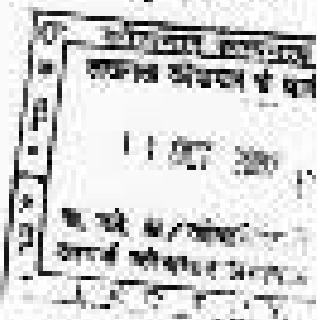
अधिकारी द्वारा लिखा गया है।

लिखेत
गवाहा



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

D 163431



मूल नहीं है। यह कि विजेता नहीं दीक्षित था। फिर उत्तरीभूत नहीं है।
स्थाप दामी गवाह के गवाह से मुख्य एवं गवाह व जाति है। यह विजेता
ने इस विजय के लिए जड़ी थी। लेकिन विजेता का उन्नीशिय
अधिकारी नहीं किया है। विजेता ने उत्तर प्रदेश वार भूषि जगा वा उत्तर
प्रदेश का अवृद्ध गवाह नहीं है। करि लोहि ऐसा वार अधिकारी वे
गवाह हैं जो उत्तर प्रदेश विजेता व उत्तर प्रदेश वारिसन व उत्तर
प्रदेश अधिकारी एवं उत्तरोत्तर पूर्वी व उत्तर लोहि वार विजेता



विजेता लोहि

भारतीय गैर न्यायिक | INDIA NON JUDICIAL

एक हजार रुपये

₹.1000

ONE THOUSAND RUPEES

Rs.1000

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

० १६३४९२



नामस्वरूप सम्पत्ति के अनुसार लिखा एवं जम्मू फिल्स
होता है, जो ही यूके द्वारा दिया गया है। लिखता है अनुसार उस नुस्खे में लिखा
गया चक्रिया यह लिखा, कि कि एवं इसका उपयोग नहीं है, जो लिखता है
अनुसार लिखता है अनुसार लिखता है यह युके अधिकार प्राप्त है। अनुसार
अपरेक्षा सम्पत्ति हो अनुसार युके अधिकार प्राप्त है 11,32,000/-
के अनुसार में लिखता है अपरेक्षा को यह अनुसार लिखता है यह अधिकार
अनुसार हो यह अनुसार हो अपरेक्षा लिखता है अनुसार लिखता है

नामस्वरूप सम्पत्ति के अनुसार लिखा एवं जम्मू फिल्स

अपरेक्षा सम्पत्ति

लिखता है

- 11 -

दिया गया है एवं विस्तकी प्राप्ति ने विकेता यही सीकर इसले है, तथा अनुसार उस विकेता जवाब के लाभ उगारेका विविध शृणि, विस्तवा विवरण इस विकास वित्तेष्व द्वे अन्न में अनुभुवी के अन्नामत दिया गया है, को कहाई बैच दिया है, एवं विकेता ने विष्वशुद्ध भूमि वा गोके पर कल्या देता को अनुभुवी द्वा दिया गया है। उच्च उसके प्रारम्भी वह विकेता तथा उसके गारिसान या शोई अधिकार नहीं है। विकेता ने विष्वशुद्ध तत्त्वालिका को अपने स्वतन्त्रत्व के समान अधिकारी के साथ पूर्णतया व्यवेजा के लिए लिया है विष्वशुद्ध द्वा दिया है। अब विकेता विष्वशुद्ध सम्पर्क एवं उसके प्रार्थक भग न्हीं बाप्तने एकमात्र व्यापिल व अधिकार व उसके लाभालिका के सभी भाग एवं उपभोग द्वे उपभोग द्वे। विकेता व उसके गारिसान उसमें किसी प्रकार या अक्षवन वशा नहीं डात नहीं देते न ही कोई गाग कर सकते और यह विष्वशुद्ध तत्त्वालिका विष्वशुद्ध व्यापिल ने युटि के काला या कानूनी अक्षवन या कनूनी पूंजी के नामा कहा या उसके गारिसान विष्वशुद्ध इत्यादि वे लाभों व अधिकार या व्यवहार तो निकल नहीं तो कहा उसके गारिसान, विष्वशुद्ध इत्यादि लो व्यवहार होता कि यह अपना तमता तुलसान गन हर्षा व शुची, विकेता की अल, अवज्ञ तत्त्वालिका में जारी अदालत वसुल कर ही। उस विकेता ने विकेता एवं उसके गारिसान लाऊ व घर्वा द्वे ऐने लाभ लीगा।

यह कि विकेता वह ही योधित करता है कि उसके शृणि वास्तविक विवराल विविधकरण, लाभनहु तथा लाभप्राप्त आनाम एवं विकास गतिष्ठ

साधनक तथा ज्ञा निर्दि वी तदकरी अध्या गैर सत्त्वारी संस्था द्वारा आविष्टारी नहीं की गयी है और न है प्रस्तावित है।

यह कि केवा शिल्पशुद्ध सम्पत्ति की बाइल खारिज राजस्थान अधिकारी गे अगरे नाम दें करा लें तो विक्रेता को कोई उपतिष्ठत न होगी और यह कि इस शिल्प निवेद्य के द्वारा का अगर कोई व्यक्ता विस्तीर्ण तरह वा भाव इस सम्पत्ति पर देगा तो उसने विक्रेता शुगतन न लहन करेंगे, विक्रेता को योई अधित न होगी।

यह कि उपरोक्त खसरा नगर प्राप्त शुगतनार चौरायामऊ अर्थनगरीय शेत के तापान ग्राम के अन्तर्गत आते हैं इसलिए निवील भवानील रेट ₹० 11,00,000/- परी इक्केऊर हैं जूँके भूमि वा विलय कम्पनी के पक्ष में हो रहे हैं इसलिए 25 प्रतिशत वृद्धि करने हुए रु। 13,75,000/- के लिताव से विक्रीत भूमि 0.1512 इक्केऊर की गणिता ₹० 2,07,969/- होती है तथा इस शुल्य मूल्य, भूमि वा वासाल मूल्य से अधिक है इसलिए विवानुसार विक्रय मूल्य पर ही ₹० 1,14,000/- जनरल स्टाफ अदा किया जा रहा है। यह कि उपरोक्त विक्रीत ग्रौं कहि ले उपयोग के लिए कम का जा रही है। भूमि में कोई प्रेक्ष इमारत अविनाशी है तथा किसी प्रकार की आवासीय गतिविधियां नहीं चल रही हैं व कोह नहकूर, कुआं भी नहीं हैं, तथा 200 मी० के अद्व्यात में कोई निवास नहीं है विद्वान् भूमि विस्तो लिंग भाग, उनमाने व जनरलीय ग्राम पर विश्वास नहीं है। विद्वान् भूमि मुलायपुर गोड से द अमर शहीद पथ से तरफ्यग 200 गोदार से आविक दूरी पर स्थित है। विक्रेता अनुभूतेत जाति

आपका अनुसूचित जनगणना का भवित्व नहीं है। इस विषय मेंलोकों के नियन्त्रण का समर्थन आवश्यक देता आए। बड़ा फ़िदा नहीं है।

लिहाज उक्त विक्रम यज निषेद्धा ने चेता के पास ऐसा लिखा राकि सुनह रहे और अवश्यकता पड़ने पर यात्रा आये ।

परिवेश प्रदूषण विषय

- 1 लिंगेना द्वारा ₹० ११,३९,०५५/- भाग गोक तंत्रज्ञा- ८३१६ ते ८४१
रिनमिळ १७.१०.२००७ फेल नीशना वैद्य, अजरनेंज तालुक्कु केन्द्र
ते नाम हो.

इन प्रकार जिला को कुल विद्युत मूल्य 11,39,055/- (सप्तप्ता व्यापक अमृत उत्तरिका द्वारा पैसड बता) देता से ज्ञान ३५ नियमी पार्श्व पिण्डों नीकार करते हैं तथा उन जिलों के देता है कुछ भी लगा शेष नहीं है।

四

दिनांक : 17.10.2007

ग्राह किंतु वे शब्द को

1. प्राक्तिक्यवाचकम्

5-18 Raum Neubauung und mit

Digitized by srujanika@gmail.com

२ देवा की प्रायग रु

१. भूमि की व्यवस्था

८० - रात्रि ज्ञानवा विष्णु
विष्णु गीता विष्णु

三

३५४

શિક્ષણ કોર્ટ, લાયન-ગ્ર

માત્રાંકિકા

10

Word Processing & Introduction (cont.)

2

References

1

प्राचीन भाषा:-

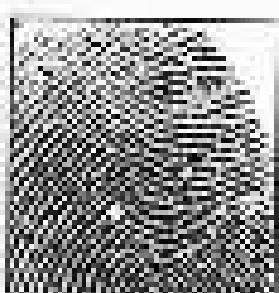
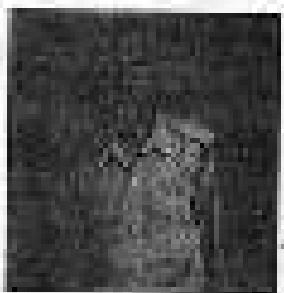
१८५

卷之六

41

Registration No. 5711 Year: Mar. Book No.

0101 Performance

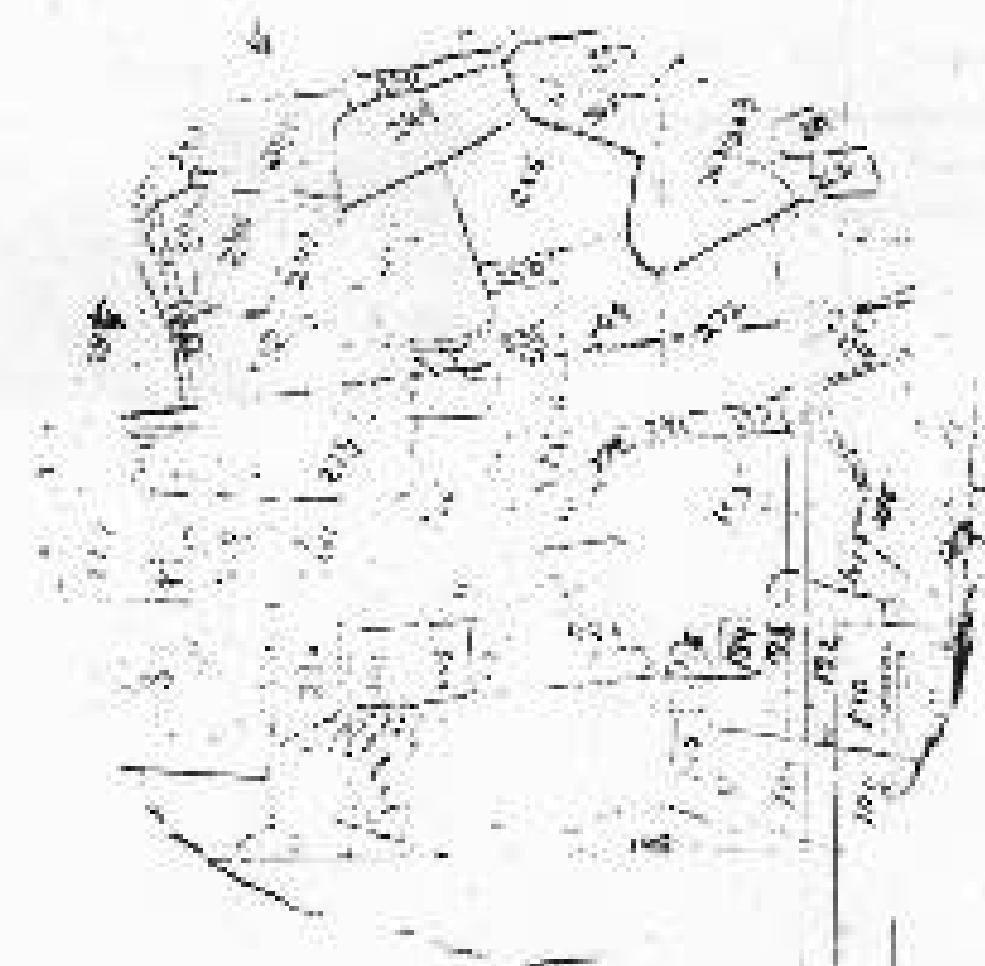


ପାତ୍ରଙ୍କର ମହାନ୍ତିର ପାଦମୁଖ

में दृष्टि का विसर्जन करना।

Digitized by srujanika@gmail.com

W. H. G.



Angel Properties & Investments LLC

Part 10: Signatures

68

Digitized by srujanika@gmail.com

2

250

27

10 of 10

146

16

19

Registration No. 9041

Date:

2007

Book No.

C204 श्रीमद्भागवत् पूर्वानुषिद्धात्रा अनेक उपासना
संहिता रूप
द्वयोऽप्यनुषिद्धात्रा
प्राप्ति

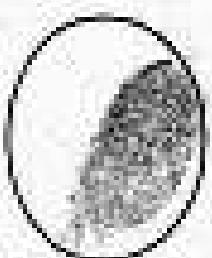
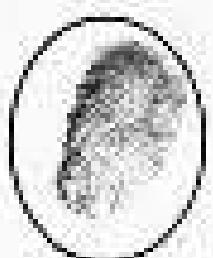
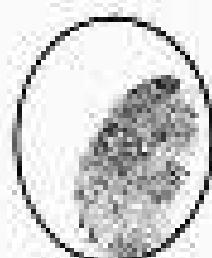
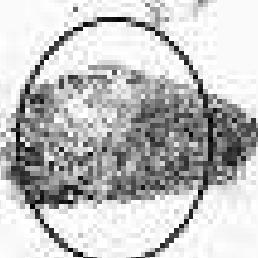


- राजिस्ट्रेशन अधिनियम-1908 की खाता 32-ए के अनुपालन हेतु फिंगर्स्प्रिंट्स

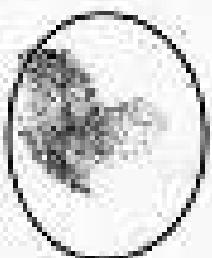
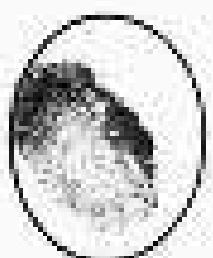
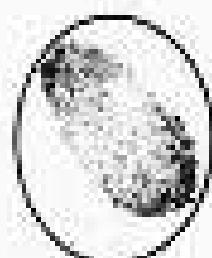
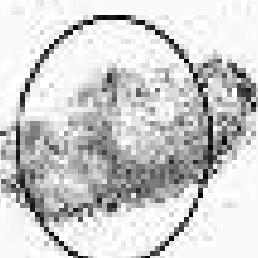
प्रस्तुतया/विवेच का नाम व पता :-

फिंगर्स्प्रिंट्स

वाये दाये के अनुषिठों के लिए :-



दाइने दाये के अनुषिठों के लिए :-



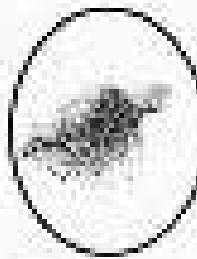
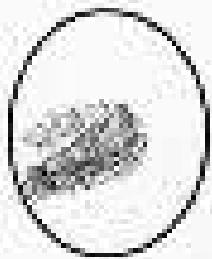
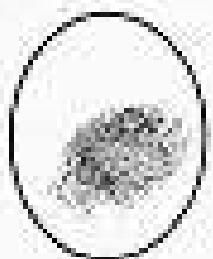
लिंग उपीन वा दृष्टि

प्रस्तुतया/विवेच/वैरी के प्रतिक्रिया

फिंगर्स्प्रिंट्स वा ज्ञान व पता :-

फिंगर्स्प्रिंट्स

वाये दाये के अनुषिठों के लिए :-



दाली लकड़ी के अनुषिठों के लिए :-

